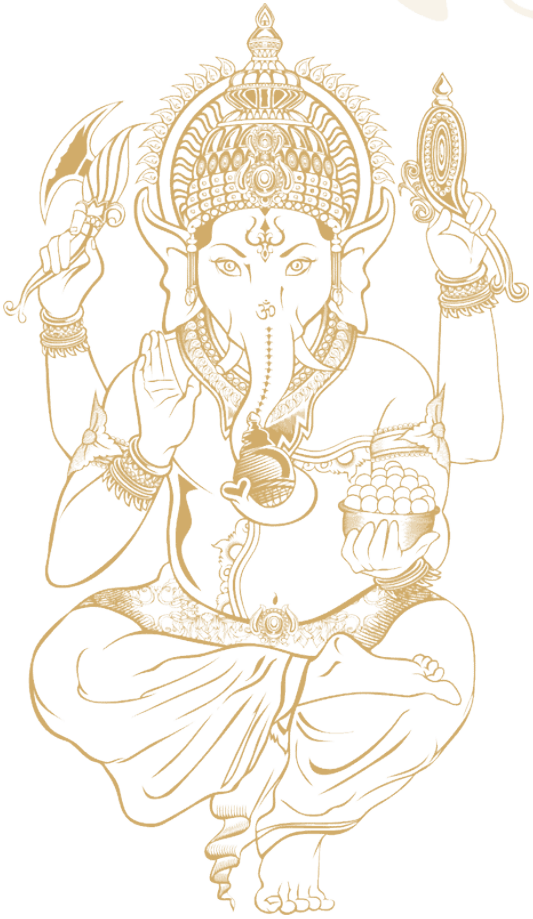

Sriddha dubey

12 Feb 1999

09:00 AM

Jhansi

Model: web-freekundliweb

Order No: 121485703

लिंग	स्त्रीलिंग
जन्म तिथि	**12/02/1999**
दिन	शुक्रवार
जन्म समय	**09:00:00 घंटे**
इष्ट	05:16:35 घटी
स्थान	**Jhansi**
राज्य	Uttar Pradesh
देश	India

अक्षांश	25:27:00 उत्तर
रेखांश	78:34:00 पूर्व
मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
स्थानिक संस्कार	-00:15:44 घंटे
ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
स्थानिक समय	08:44:16 घंटे
वेलान्तर	-00:14:17 घंटे
साम्पातिक काल	18:11:15 घंटे
सूर्योदय	06:53:21 घंटे
सूर्यास्त	18:06:53 घंटे
दिनमान	11:13:31 घंटे
सूर्य स्थिति(अयन)	उत्तरायण
सूर्य स्थिति(गोल)	दक्षिण
ऋतु	शिशिर
सूर्य के अंश	29:06:54 मकर
लग्न के अंश	10:01:03 मीन

अवकहड़ा चक्र

लग्न-लग्नाधिपति	मीन - गुरु
राशि-स्वामी	**धनु - गुरु**
नक्षत्र-चरण	**मूल - 3**
नक्षत्र स्वामी	केतु
योग	वज्र
करण	बालव
गण	राक्षस
योनि	श्वान
नाड़ी	आद्य
वर्ण	क्षत्रिय
वश्य	मानव
वर्ग	मूषक
युँजा	अन्त्य
हंसक	अग्नि
जन्म नामाक्षर	भा-भावना
पाया(राशि-नक्षत्र)	ताम्र - ताम्र
सूर्य राशि(पाश्चात्य)	कुम्भ

ग्रह स्पष्ट तथा उनकी स्थिति

ग्रह	व	अ	राशि	अंश	गति	नक्षत्र	पद	नं.	रा	न	अं.	स्थिति
लग्न			मीन	10:01:03	495:02:59	उ०भाद्रपद	3	26	गुरु	शनि	शुक्र	---
सूर्य			मक	29:06:54	01:00:42	धनिष्ठा	2	23	शनि	मंगल	शनि	शत्रु राशि
चंद्र			धनु	09:25:31	12:24:40	मूल	3	19	गुरु	केतु	शनि	सम राशि
मंगल			तुला	12:15:39	00:19:10	स्वाति	2	15	शुक्र	राहु	शनि	सम राशि
बुध		अ	कुंभ	05:14:54	01:49:26	धनिष्ठा	4	23	शनि	मंगल	सूर्य	सम राशि
गुरु			मीन	05:57:32	00:13:04	उ०भाद्रपद	1	26	गुरु	शनि	बुध	स्वराशि
शुक्र			कुंभ	24:08:21	01:14:21	पू०भाद्रपद	2	25	शनि	गुरु	बुध	मित्र राशि
शनि			मेष	04:41:20	00:04:33	अश्विनी	2	1	मंगल	केतु	चंद्र	नीच राशि
राहु			कर्क	28:18:18	00:00:16	आश्लेषा	4	9	चंद्र	बुध	शनि	शत्रु राशि
केतु			मक	28:18:18	00:00:16	धनिष्ठा	2	23	शनि	मंगल	शनि	शत्रु राशि
हर्ष			मक	19:30:16	00:03:28	श्रवण	3	22	शनि	चंद्र	बुध	---
नेप			मक	08:47:25	00:02:10	उत्तराषाढ़ा	4	21	शनि	सूर्य	शुक्र	---
प्लूटो			वृश्चि	16:24:04	00:01:01	अनुराधा	4	17	मंगल	शनि	गुरु	---
दशम भाव			धनु	08:44:16	--	मूल	--	19	गुरु	केतु	गुरु	--

व - वक्री स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 23:50:31

लग्न-चलित

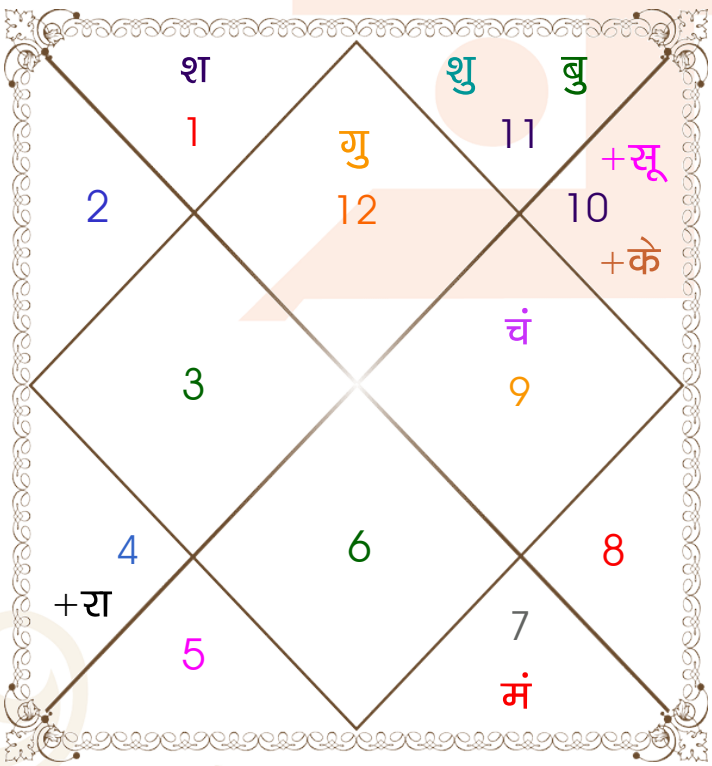

चन्द्र कुंडली

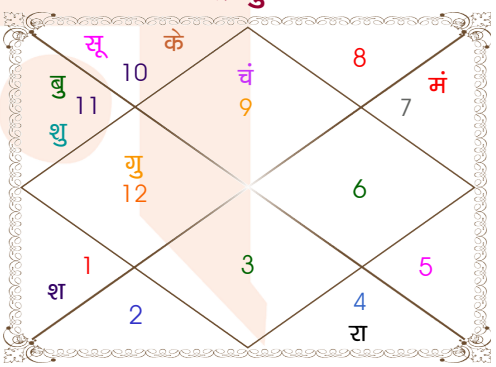

नवमांश कुंडली

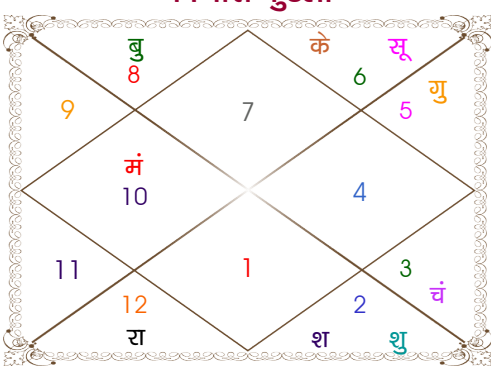

विंशोत्तरी दशा

भोग्य दशा काल : केतु 2 वर्ष 0 मास 18 दिन

केतु 7 वर्ष		शुक्र 20 वर्ष		सूर्य 6 वर्ष		चंद्र 10 वर्ष		मंगल 7 वर्ष	
12/02/1999		02/03/2001		02/03/2021		03/03/2027		02/03/2037	
02/03/2001		02/03/2021		03/03/2027		02/03/2037		02/03/2044	
	00/00/0000	शुक्र	02/07/2004	सूर्य	20/06/2021	चंद्र	01/01/2028	मंगल	29/07/2037
	00/00/0000	सूर्य	02/07/2005	चंद्र	19/12/2021	मंगल	01/08/2028	राहु	17/08/2038
	00/00/0000	चंद्र	03/03/2007	मंगल	26/04/2022	राहु	31/01/2030	गुरु	24/07/2039
	00/00/0000	मंगल	02/05/2008	राहु	21/03/2023	गुरु	02/06/2031	शनि	01/09/2040
	00/00/0000	राहु	03/05/2011	गुरु	07/01/2024	शनि	31/12/2032	बुध	29/08/2041
	00/00/0000	गुरु	01/01/2014	शनि	19/12/2024	बुध	02/06/2034	केतु	25/01/2042
	12/02/1999	शनि	02/03/2017	बुध	26/10/2025	केतु	01/01/2035	शुक्र	27/03/2043
शनि	05/03/2000	बुध	01/01/2020	केतु	03/03/2026	शुक्र	01/09/2036	सूर्य	02/08/2043
बुध	02/03/2001	केतु	02/03/2021	शुक्र	03/03/2027	सूर्य	02/03/2037	चंद्र	02/03/2044

राहु 18 वर्ष		गुरु 16 वर्ष		शनि 19 वर्ष		बुध 17 वर्ष		केतु 7 वर्ष	
02/03/2044		03/03/2062		03/03/2078		02/03/2097		04/03/2114	
03/03/2062		03/03/2078		02/03/2097		04/03/2114		00/00/0000	
राहु	13/11/2046	गुरु	20/04/2064	शनि	05/03/2081	बुध	30/07/2099	केतु	31/07/2114
गुरु	08/04/2049	शनि	01/11/2066	बुध	13/11/2083	केतु	27/07/2100	शुक्र	30/09/2115
शनि	13/02/2052	बुध	06/02/2069	केतु	22/12/2084	शुक्र	28/05/2103	सूर्य	05/02/2116
बुध	01/09/2054	केतु	13/01/2070	शुक्र	22/02/2088	सूर्य	02/04/2104	चंद्र	05/09/2116
केतु	20/09/2055	शुक्र	13/09/2072	सूर्य	03/02/2089	चंद्र	02/09/2105	मंगल	01/02/2117
शुक्र	19/09/2058	सूर्य	02/07/2073	चंद्र	04/09/2090	मंगल	30/08/2106	राहु	19/02/2118
सूर्य	14/08/2059	चंद्र	01/11/2074	मंगल	14/10/2091	राहु	19/03/2109	गुरु	26/01/2119
चंद्र	12/02/2061	मंगल	08/10/2075	राहु	20/08/2094	गुरु	24/06/2111	शनि	13/02/2119
मंगल	03/03/2062	राहु	03/03/2078	गुरु	02/03/2097	शनि	04/03/2114		00/00/0000

- उपरोक्त दशा चंद्रमा के अंशो के आधार पर दी गई है। भयात भभोग के आधार पर दशा का भोग्यकाल केतु 2 वर्ष 0 मा 13 दि होता है।
- उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं। विंशोत्तरी दशा पूरे 120 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

लग्न फल

आपका जन्म उत्तरा भाद्रपद नक्षत्र के तृतीय चरण में मीन लग्न में हुआ था। आपके जन्मकाल मेदिनीय क्षितिज पर तुला नवमांश एवं कर्क राशीय द्रेष्काण भी उदित था। ज्योतिषीय आकृति के अनुसार लग्नादिक समन्वित प्रभाव से यह सुनिश्चित हो रहा है कि आप निःसंदेह अपने संपूर्ण जीवन में विपुल संपत्ति, धन-दौलत से युक्त रहेंगी। आप वंशानुगत प्राप्त पूरक धन-दौलत के अतिरिक्त पर्याप्त आय की प्राप्ति करेंगी। इसका अर्थ है कि आप धनी हो सकती हैं।

आप व्यक्तिगत रूप से अति विश्वसनीय एवं ईमानदार प्राणी होंगी। आप में अनिवार्य गुण विद्यमान है, जिसके प्रभाव से आपका जीवन अति उन्नतिशील रहेगा जो आपके स्वयं के लिए एक छाप छोड़ेगा। आपमे आत्मिक शक्ति विद्यमान है तथा आप एकांत प्रिय प्राणी हैं। आप अपने रास्ते से चल कर किसी भी कार्य के प्रारंभ को उचित व्यवहार कर सकती हैं।

आप अपनी कार्य योजना के पीछे पड़ कर उसका समापन करोगी न कि मात्र कार्य को धक्के दे कर चलाना पसंद करोगी। आप अच्छी प्रकार जानती हैं कि दूसरों के साथ कैसा व्यवहार करना चाहिए। आप अपनी शक्ति एवं सामर्थ्य के अनुसार शनैः शनैः उन्नति प्राप्त करने के लिए समर्थ होंगी। आप किसी भी प्रकार की विपरीत घटना के प्रति आश्वस्त है कि आपका समय सुख आराम के साथ व्यतीत हुआ।

आप सुरक्षित स्वभाव की प्राणी हैं। आप स्वयं दूसरों के कारण उलझन में पड़ कर समस्या से ग्रसित हो जाती हैं। यदा-कदा आप स्वयं आश्वस्त नहीं हो पाती है कि तत्काल आपका लक्ष्य क्या है। क्योंकि आप हवाई मार करके हवा में उंचा किला बनाती है तथा प्रत्येक वार करके रंगीन स्वप्न का दृश्य देखती हो। मुख्यतः विपरीत योनि के प्रति आपके ऐसे ख्यालात होते हैं। आप अति काम प्रिय प्राणी है तथा आप प्रेम प्रसंग में उंची-छलांग लगा कर अपनी छाप छोड़ना चाहती है। आप अपने जीवन में हर दृष्टिकोण से इस विषय को महत्वपूर्ण समझती हो। आपकी अभिलाषा रहती है कि आप प्रेमी के साथ मिल कर मद्यपान किसी प्रकार कर सकूं। इस प्रकार सदैव आनंद प्राप्ति हेतु सुअवसर की तलाश में रहती हो। आप इसी प्रकार के रास्ते को अंगीकृत करती हो। आप अपने व्यवसायिक एवं सुखद वातावरण की तारतम्यता सख्ती से बनाए रखती हो।

पूर्णतया अपने संबंध में सीख लें। इसके पश्चात् अपने में अपेक्षित गुण ग्रहण कर, स्वयं साहसपूर्ण सफलता प्राप्त करे। अतएव आप दूसरों पर क्यों आश्रित हो? चूंकि आप विश्वासी हैं। अन्य जो थोड़ा विनीत स्वभाव के व्यक्ति हैं उनको सदैव अंगीकृत करते हैं। परंतु आप अनुभव करोगी कि वे अडंगा बाजी कर के आपको पराजित करेंगे। प्रारंभ में वे औपचारिकता दिखा कर आपको आश्वस्त करेंगे कि आपके द्वारा स्थित हुआ हूं। वे आपकी बातों के अनुसार आचरण नहीं करेंगे। इसलिए वे व्यवसाय एवं मित्रता के बीच एक स्पष्ट सीमा रेखा खींच कर, पृथकतावादी नीति अपनाएंगे।

आपका स्वास्थ्य निः संदेह उत्तम रहेगा। परंतु आयु वृद्धि के पश्चात् आप रोग ग्रस्त

हो सकती है। जैसे कफ, खांसी, सर्दी, जुकाम, जोड़ों का दर्द गठिया-वात, जॉनडिस, एवं हर्निया आदि। अतः सुरक्षात्मक कदम उठा कर, समय-समय पर चिकित्सक द्वारा सलाह निर्देश प्राप्त करती रहें।

आप अपनी दुर्बलता को त्याग कर मनोयोगपूर्ण अपने कार्य व्यवसाय में संलग्न होने के पश्चात् अपने प्रसन्नतम पारिवारिक जीवन के प्रति आश्वस्त हो सकेंगी। आप अपने अच्छे पति, समझदार पुत्र एवं पौत्र के द्वारा सुख प्राप्ति के संबंध में भाग्यशाली हैं। वे सभी आपसे संबंधित रह कर आपको उत्तम व्यवहार स्नेह सम्मान, प्रभाव आदि प्रदान करेंगे।

आपके लिए अनुकूल रंग पीला, नारंगी, लाल एवं गुलाबी रंग उत्तम हैं। परंतु नीले रंग का व्यवहार न करें।

आपके लिए अंकों में उत्तम एवं भाग्यशाली अंक 1, 3, 4 एवं 9 अंक है। परंतु अंक 8 त्यज्यनीय है।

साप्ताहिक दिनों में अनुकूल दिन रविवार, मंगलवार, एवं गुरुवार का दिन है। इस दिनों में किसी भी कार्य को सम्पादन कर सकती है तथा किसी भी महत्वपूर्ण कार्य को संपादन तथा किसी भी महत्वपूर्ण कार्य को हस्ताक्षरित कर सकती हैं। परंतु इसके अतिरिक्त शेष तीन दिन यथा बुधवार, शुक्रवार एवं शनिवार का दिन अव्यवहारणीय है।